Dr. RANJEET KUMAR
Deptt. of History
H. D. Jain College, Ara.

M. A. Sem - II

बिहार का इतिहास - 600 ई॰ पू॰ (BC) से 600 ई॰ (AD) :-

विक्रमशिला का पुरातत्व :—

विक्रमशिला भारत का एक प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र था। विक्रमशिला के पुरातात्विक अवशेषों की खोज से इस प्राचीन विश्वविद्यालय के इतिहास के बारे में जानकारी मिली है। इन अवशेषों से पता चला है कि विक्रमशिला में तांत्रिक बौद्ध धर्म का अध्ययन होता था।

विक्रमशिला विश्वविद्यालय पाल राजवंश के राज्यकाल में शिक्षा के लिए जगत्प्रसिद्ध थी। वर्तमान समय में यह बिहार के भागलपुर जिले का अन्तिचक गांव वही है, जहाँ विक्रमशिला थी। इसकी स्थापना 8 वीं शताब्दी में पाल राजा धर्मपाल ने की थी।

विक्रमशिला के पुरातात्विक अवशेषों से जुड़ी महत्वपूर्ण तथ्य :-

- विक्रमशिला के पुरातात्विक अवशेषों से पता चला है कि यहां कांस्य मूर्तियां, मृदभांड, स्तंभ, मुहरें, मृण-मूर्तियां इत्यादि मिली हैं।
- यहाँ से हजारों तरह की प्रस्तर कला, भवन निर्माण कला, लोहा, ताँबा, सोना, चाँदी, विभिन्न पशुओं की अस्थियां भी मिली हैं।
- यहाँ से मिली मूर्तियों में मातृदेवी, शिवयोगी, विष्णु, वरुण, ब्रह्मा, कृष्ण, राम, संदीप मुनी, आदि बुद्ध, तारा, बृहस्पति, पुरुरवा, उर्वशी वगैरह की मूर्तियां शामिल हैं।
- विक्रमादित्य की राजधानी का ऐतिहासिक दस्तावेज "बत्तीसी आसन" भी यहां से मिला है।